राजस्थान में जिप्सम और लिग्नाइट का उत्पादन बढ़ाने पर जोर देने की जरूरत : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने कहा, ''स्टील ग्रेड लाइमस्टोन और रॉक फास्फेट के उत्पादन में आर.एस.एम.एम. का समूचे देश में लगभग एकाधिकार है, हमें इसका लाभ उत्पादन और कारोबार बढ़ाने में करना होगा।''

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव एवं चेयरमेन आरएसएमएम वी. श्रीनिवास ने राजस्थान स्टेट माइंस एवं मिनरल (आरएसएमएम) से खनिज खनन में नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए उत्पादन, वार्षिक कारोबार और लाभदायकता बढ़ाने की आवश्यकता जताई है। उन्होंने कहा कि स्टील ग्रेड लाइमस्टोन और रॉक फास्फेट के उत्पादन में आरएसएमएम का समूचे देश में लगभग एकाधिकार है। हमें इस एकाधिकार का लाभ उत्पादन व और अधिक कारोबार बढ़ाने में करना होगा। उन्होंने जिप्सम और लिग्नाइट का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास मंगलवार को सचिवालय के चिंतन कक्ष में आरएसएमएम की 75वीं वार्षिक साधारण सभा और संचालक मण्डल की 421 वीं बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि आरएसएमएम द्वारा 35 लाख टन सालाना लाइम स्टोन का उत्पादन किया जा रहा है वहीं वर्ष 2024-25 में रॉक फास्फेट, लाइमस्टोन, जिप्सम और लिग्नाइट का 62 लाख टन उत्पादन किया गया है। इस साल नवंबर माह तक 39 लाख टन खनिजों का उत्पादन किया जा चुका है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को सचिवालय में आरएसएमएम की 75वीं वार्षिक साधारण सभा और संचालक मण्डल की 421 वीं बैठक ली। इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद कुमार व प्रमुख सचिव टी. रविकांत भी मौजूद थे।

वी. श्रीनिवास ने आरएसएमएम के 50 वर्ष पूर्ण होने पर गतिविधियों पर आधारित एक फिल्म बनवाने और काफीटेबल बुक भी तैयार कराने को कहा। उन्होंने कहा कि खनन क्षेत्रों के विकास में भी आरएसएमएम को भागीदारी बढ़ानी होगी।

प्रमुख सचिव माइंस टी. रविकान्त ने कहा कि आरएसएमएम को कार्यों में विविधीकरण करते हुए नए क्षेत्रों में भी संभावनाएं तलाशनी होगी। उन्होंने खनन सुरक्षा मानकों की पालना सुनिश्चित करते हुए उत्पादन और आक्रामक मार्केटिंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएमएम के पास खेती में उपयोगी रॉकफास्फेट के विपुल भण्डार होने के साथ ही जैसलमेर में स्टीलग्रेड लाइमस्टोन के प्रचुर भण्डार है। ऐसे में स्टील उद्योग में मांग और आपूर्ति बढ़ाने के प्रयास किए जाएं।

- **वर्ष 2024-25 में रॉक फास्फेट, लाइमस्टोन, जिप्सम और लिग्नाइट का 62 लाख टन उत्पादन हुआ था, इस साल नवंबर माह तक 39 लाख टन खनिजों का उत्पादन किया जा चुका**

आरएसएमएम की प्रबंध निदेशक प्रज्ञा केवलरमानी ने आरएसएमएम की गतिविधियों और प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आरएसएमएम के 50 साल पूरे होने पर स्वास्थ्य जांच, रक्तदान शिविर सहित अनेक कल्याणकारी गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। प्रतिवर्ष जनवरी में खेल प्रतियोगिता आयोजित करने और 26 जनवरी को पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव वन एवं पर्यावरण आनंद कुमार, प्रमुख सचिव वित्त वैभव गालरिया ने भी सुझाव दिए।

राजधानी में 500 से अधिक स्थानों पर पिलाया जाएगा एक लाख लीटर दूध

नववर्ष की पूर्व संध्या पर युवा लेंगे नशा-मुक्ति का संकल्प

जयपुर। नववर्ष-2026 की पूर्व संध्या पर 31 दिसंबर को राजधानी में पांच सौ अधिक स्थानों पर दूध महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। राजधानी के हर प्रमुख चौराहे, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर शाम ढलते ही गुनगुना मीठा दूध पिलाया जाएगा। कहीं दूध के साथ गर्मागर्म जलेबी या हलवा खिलाया जाएगा। मुख्य आयोजन इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी एवं राजस्थान युवा छात्र संस्था के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार पर शाम 6 बजे से दूध महोत्सव का शुभारंभ होगा। यहां दूध पिलाने के साथ युवाओं को नशा छोडऩे की शपथ भी दिलाई जाएगी। इंडियन अस्थमा केयर सोसायटी के सचिव धर्मवीर कटेवा ने बताया कि नशा मुक्त समाज बनाने के लिए 23 वर्ष पूर्व राजस्थान विश्वविद्यालय के बाहर दूध पिलाने की मुहीम शुरू की आज वह पौष बड़ा महोत्सव की तरह व्यापक हो गई है। यह अच्छा संकेत है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर आज दूध महोत्सव प्रदेश के विभिन्न शहरों में मनाया जाने लगा है। सम्पूर्ण राजस्थान में 2000 से अधिक स्थानों पर दूध पिलाया जाता है। अनुमान है कि 10 लाख से अधिक लोग दूध पीकर नववर्ष का स्वागत करेंगे। जयपुर शहर में ही 500 से अधिक स्थानों पर दूध वितरण किया जाएगा। सरस डेयरी और लॉटस डेयरी की ओर से विभिन्न स्थानों पर गुनगुना दूध निशुल्क पहुंचाया जाएगा।

सांगानेर में अनेक स्थानों पर दूध पिलाया जाएगा। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का विधानसभा क्षेत्र होने के कारण भाजपा और भाजपा की विचारधारा के संगठनों की ओर से बड़े स्तर पर दूध पिलाने के कार्यक्रम होंगे। कांग्रेस नेता पुष्पेन्द्र भारद्वाज के नेतृत्व में भी विभिन्न स्थानों पर आमजन को दूध पिलाया जाएगा। इस वर्ष लगभग 50 हजार से अधिक लोगों को दूध पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य कार्यक्रम सांगानेर कस्बे के सीटीएस बस स्टैंड पर होगा। विधानी, इंडिया गेट, कल्याणपुरा के तेजाजी मंदिर, थड़ी मार्केट, रीको कांटा, भांकरोटा, जेडीए कॉलोनी, गोविंदपुरा में भी दूध महोत्सव मनाया जाएगा।

राजस्थान जाट महासभा की ओर से मानसरोवर स्थित केसर नगर चौराहे पर दुग्ध वितरण कार्यक्रम होगा। वहीं अग्रवाल समाज, मालवीय नगर की ओर से अग्रसेन भवन में रात 8 बजे से दुग्ध महोत्सव आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त राजापार्क, छोटी चौपड़, ब्रह्मपुरी सहित अनेक स्थानों पर विभिन्न संगठनों की ओर से दूध वितरण के कार्यक्रम होंगे। विभिन् संस्थाओं के संयुक्त प्रयासों से सीकर रोड सहित 35 स्थानों पर नि:शुल्क दूध पिलाया जाएगा।

जेडीए आयुक्त ने दिया ट्रेफिक मैनेजमेंट पर जोर

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन की अध्यक्षता में मंगलवार को अभियांत्रिकी शाखा की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जेडीसी ने अभियांत्रिकी शाखा की संरचना और ढांचे के बारे में विस्तृत जानकारी ली। जेडीसी ने अभियांत्रिकी शाखा द्वारा किए जा रहे प्रगतिरत कार्यों, प्रमुख परियोजनाओं एवं अन्य कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने बजट घोषणाओं को मूर्त रूप देने के लिए बेहतर मॉनिटरिंग के साथ तय समयावधि में परियोजनाओं को गुणवत्तापूर्ण रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य सरकार की मंशानुरूप वर्तमान में प्रगतिरत कार्यों की गति में वृद्धि करने के निर्देश दिए। महाजन ने भविष्य में जयपुर शहर की मुख्य सड़कों-जेएलएन मार्ग, महल रोड, सीकर रोड आदि को ट्रेफिक लाईट मुक्त करने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

सार-समाचार

साईकिल से की जयपुर से कलकत्ता यात्रा

जयपुर । आयरन लेडी के नाम से पहचाने जाने वाली 59 वर्षीय साइकिलिस्ट रेणु सिंघी जयपुर से कोलकाता तक साइकिलिंग करके वापस लौटी हैं। करीब 1570 किलोमीटर की यह दूरी उन्होंने सात दिन में पूरी की। फतेहपुर सीकरी, इटावा, लखनऊ, अयोध्या, वाराणसी, शेरगढ़, धनबाद और पानगढ़ होते हुए वे कोलकाता पहुंची। उनके सफर में जोधपुर के साइकिलिस्ट प्रद्युम्न सिंह ने वाराणसी तक साथ दिया। रेणु सिंघी ने बताया कि यह जर्नी काफी यादगार रही। इसमें हमारी कोशिश यह रही कि ज्यादा से ज्यादा सफर छोटे गांवों से होकर किया जाए। इससे हमें स्थानीय संस्कृति के बारे में करीब से जानने को मिला। गांवों के लोगों से मिलना काफी अच्छा अनुभव रहा। हालांकि साइकिलिंग दिन के समय ही की, लेकिन सर्दी का मौसम होने से कोहरे की वजह से सुबह के समय कुछ समस्या आई। कुछ स्थानों पर हाईवे पर रॉन्ग साइड वाहन चलाने वालों की वजह से भी परेशानी हुई, तो कुछ जगहों पर गलत ड्राईविंग करने वालों से परेशान होना पड़ा।

सांसद तिवाड़ी से मिले वरिष्ठ शिक्षक

जयपुर । अखिल राजस्थान विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के अध्यक्ष प्रो. बी. डी. रावत ने बताया कि वरिष्ठ शिक्षकों का प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी और उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा से मिला। दोनों नेताओं को ज्ञापन सौंपकर बताया कि चयन समिति द्वारा विधिवत चयनित एवं 25 सितम्बर 2021 को सिंडिकेट द्वारा अनुमोदित प्रोफेसरों को कैरियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत प्रोफेसरशिप का लाभ अभी तक प्रदान नहीं किया गया है। उन्हें वेतन निर्धारण एवं सेवा की गणना उनकी नियुक्ति की प्रारंभिक तिथि से करने का लाभ भी नहीं दिया गया है, जबकि इस संबंध में दिनांक 29 नवम्बर 2018 के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का स्पष्ट पालन होना चाहिए। यह न्यायोचित मामला केवल 98 वरिष्ठ प्रोफेसरों के लिए लंबित है और इनमें से लगभग 7-8 प्रोफेसरों की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। सांसद तिवाड़ी ने संबंधित प्रभारी अधिकारी को निर्देश दिया कि उच्च शिक्षा विभाग से रिपोर्ट मंगवाकर उनके समक्ष प्रस्तुत की जाए। प्रतिनिधिमंडल में प्रो.बी.एल.गुप्ता, प्रो.बी.डी.रावत, प्रो.मधु सूदन शर्मा, प्रो.आर.डी.अग्रवाल, प्रो.एन.एम.शर्मा, प्रो.बी.एल.गुप्ता और प्रो.अरुण सोल और 35 विश्वविद्यालय शिक्षक उपस्थित थे।

रजनी बाला शर्मा को पीएचडी की उपाधि

जयपुर। महाराज विनायक ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने रजनीबाला शर्मा को ''डॉक्टर ऑफ फिलोसॉपी इन लॉ'' की उपाधि प्रदान की है। रजनी बाला शर्मा ने ''ए क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ स्पोर्ट्स लॉज़ इन इंडिया विथ स्पेशल रेफरेंस टू प्रिवेंसन एंड वोइलेंस इन स्पोर्ट्स'' विषय पर शोध कार्य प्रो. डॉ. महेन्द्र तिवाड़ी के निर्देशन में पूरा किया है।

सरस राजसखी मेले में उमड़ रही है खरीददारों की भीड़

सरस राजसखी मेले में स्टॉल्स पर प्रदर्शित अलग-अलग राज्यों के हस्तशिल्प उत्पाद और परिधानों की खरीद के लिए ग्राहक उमड़े।

जयपुर (कासं)। नव वर्ष के उल्लास के साथ जयपुर में आयोजित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला 2025 इन दिनों रंगों, रचनात्मकता और ग्रामीण हुनर की जीवंत मिसाल बनकर उभर रहा है। जैसे-जैसे नए साल 2026 की रौनक बढ़ रही है, वैसे-वैसे मेले का आकर्षण भी जयपुरवासियों को अपनी ओर खींच रहा है। देशभर से आई स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल अपनी अनूठी प्रस्तुति, सृजनशीलता और मेहनत की कहानी खुद बयां कर रहे हैं। मेले में भारतीय टैक्सटाइल की विविधता देखते ही बनती है। पारंपरिक और आधुनिक डिज़ाइन का खूबसूरत संगम यहां प्रदर्शित हो रहा है। रंग-बिरंगे परिधानों में सजी साड़ियां, आकर्षक दुपट्टे, सुरुचिपूर्ण सूट और सर्द मौसम के लिए उपयुक्त ऊनी वस्त्र महिलाओं को खास तौर पर लुभा रहे हैं। इन उत्पादों की गुणवत्ता, हस्तनिर्मित बारीक कारीगरी और किफायती मूल्य के चलते खरीदारी को लेकर आगंतुकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

टैक्सटाइल के साथ-साथ घर की सजावट से जुड़े हस्तशिल्प उत्पाद भी मेले का प्रमुख आकर्षण बने हुए हैं। मिट्टी, लकड़ी, कपड़े और प्राकृतिक सामग्री से तैयार सजावटी वस्तुएं लोगों के घरों में देसी सौंदर्य और आत्मीयता का अहसास जोड़ रही है। मेले की सांस्कृतिक संध्याएं इस आयोजन को और भी जीवंत बना रही हैं। इसी कड़ी में केरल की पारंपरिक लोक कलाओं चंदा और नड़पट्टू की मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों का दिल जीत लिया। तालबद्ध संगीत की गूंज और कलाकारों की ऊर्जावान प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया, जिसे दर्शकों ने तालियों की गडगडाहट के साथ सराहा।

महर्षि बालीनाथ की जयंती मनाई

जयपुर। संत शिरोमणि महर्षि बालीनाथ जयंती मंगलवार को धूमधाम से मनाई गई। बलाई समाज की विभिन्न बस्तियों में धार्मिक और सामाजिक आयोजन हुए। इसी कड़ी में बैरवा समाज एकता मिशन राजस्थान की ओर से मंगलवार को स्वेज फार्म सोडाला स्थित हीरा वैली रिसोर्ट में बैरवा दिवस और संत शिरोमणि महर्षि बालीनाथ महाराज जयंती समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के सैकड़ों महिला-पुरुष उपस्थिति रहे।

ई-गवर्नेंस : जन आधार अब डिजीलॉकर पर भी उपलब्ध

लोगों को हार्ड कॉपी रखने की आवश्यकता नहीं होगी

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार ई-गवर्नेंस प्रणाली के माध्यम से आमजन को सरल, सुलभ और त्वरित सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य को साकार करते हुये अब जन आधारकार्ड अब भारत सरकार के डिजीलॉकर पर भी उपलब्ध करा दिया गया है। अब आमजन सरकारी सेवाओं का लाभ लेने के लिए ऑनलाईन ही जनआधार उपलब्ध करवा पाएंगे। उन्हें अब हार्ड कॉपी रखने की आवश्यकता नहीं, डिजीलॉकर में उपलब्ध दस्तावेज असली दस्तावेजों के बराबर ही प्रामाणिक माने जाएंगे।

आयोजना के शासन सचिव एवं महानिदेशक, जन आधार प्राधिकरण डॉ. रवि कुमार सुरपुर ने बताया कि डिजीलॉकर में जन आधार उपलब्ध होने से अब लोगों से दस्तावेज माँगे जाने पर वे डिजीलॉकर से ही जन आधार डिजीटल फार्मेट पर उपलब्ध करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह कदम कागज रहित शासकीय राजकाज की अवधारणा सत्यापन प्रक्रिया को कम करके प्रशासनिक कार्य में लगने वाले समय को कम करता है।

- **असली दस्तावेजों के बराबर ही प्रामाणिक माने जाएंगे**

जन आधार प्राधिकरण के निदेशक निर्मल कुमार सेठी ने अवगत कराया कि राजस्थान सरकार की 200 से भी अधिक योजनाओं एवं सेवाओं के लाभ आमजन को जन आधार के माध्यम से ही प्रदान किये जा रहे हैं। जन आधार राजस्थान का पारिवारिक डेटाबेस है एवं राज्य में सभी लाभ जन आधार के माध्यम से प्रदान किये जा रहे है। इसके साथ ही जन आधार कार्ड को व्यक्तिगत पहचान, पते के पहचान और रिश्तों की पहचान के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

उल्लेखनीय है कि डिजिलॉकर डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय की एक प्रमुख पहल है। डिजिलॉकर का उद्देश्य नागरिकों के डिजिटल दस्तावेज़ वॉलेट में प्रामाणिक डिजिटल दस्तावेज़ों तक पहुँच प्रदान करके नागरिकों का डिजिटल सशक्तिकरण करना है। महत्वपूर्ण दस्तावेज कभी भी, कहीं भी की अवधारणा का साकार करते हुये डिजिलॉकर सिस्टम में जारी किए गए दस्तावेजों को मूल भौतिक दस्तावेजों के बराबर माना जाता है। यह रियल टाइम वेरिफिकेशन का एक सत्यापन मॉड्यूल प्रदान करता है जो सरकारी एजेंसियों को यूजर की सहमति प्राप्त करने के बाद सीधे जारीकर्ताओं से डेटा सत्यापित करने में सक्षम बनाता है। किसी व्यक्ति की सहमति से ही डिजिटल दस्तावेज का आदान-प्रदान होता है।

डिजीलॉकर पर कार्ड डाउनलोड की प्रक्रिया

जन आधार नम्बर दर्ज करें। जन आधार कार्ड में उपलब्ध अपनी मेम्बर आईडी दर्ज करें। ओटीपी भेजने वाले बटन पर क्लिक करें। जन आधार में दर्ज मोबाइल नम्बर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करें।

राजीव आहूजा को डॉक्टरेट की उपाधि

जयपुर। समाजसेवी राजीव आहूजा को उनके उत्कृष्ट योगदान, सामाजिक प्रतिबद्धता और कला एवं शिल्प के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए भारत सरकार एलपीएसी की ओर से दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में डॉक्टरेट की उपाधि से नवाजा गया। आहूजा जयपुर में कला और हस्तशिल्प से जुड़े हैं। वे राजापार्क व्यापार मंडल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भी रहे है।

जेडीए ने 160 फीट सेक्टर रोड से ध्वस्त किए अतिक्रमण

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश पर जे.डी.ए. के प्रवर्तन दस्ते ने वैशाली नगर क्षेत्र में झाड़खंड महादेव तिराहे से 200 फीट सिरसी रोड बाईपास तक सड़क सीमा में आ रहे कच्चे-पक्के अवैध अतिक्रमणों को ध्वस्त किया।

उप महानिरीक्षक राहुल कोटोकी ने बताया कि हाईकोर्ट के आदेश की पालना में झारखण्ड मोड तिराहे से खातीपुरा तिराहा होते हुए 200 फीट सिरसी रोड बाईपास तक सड़क की चौड़ाई जोनल डवलपमेंट प्लान के मुताबिक करने के लिए गठित 5 टीमों की निशानदेही पर यह कार्रवाई की गई। गत 9 अप्रैल और 25 मई को भी जेडीए टीम ने यहां अवैध निर्माण व अतिक्रमण ध्वस्त किए थे। मंगलवार को यहां 160 फीट रोड पर दुकान और ग्राउंड, प्रथम व द्वितीय फ्लोर की इमारतों और करीब 6 मीटर लम्बाई में बाउण्ड्रीवाल का अवैध निर्माण कर पुन: किये गये अतिक्रमणों तथा शेष रहे 200 मीटर तक अतिक्रमण को सामूहिक अभियान चलाकर ध्वस्त किया गया।

- **झाडखंड महादेव तिराहे से खातीपुरा तिराहा होते हुए 200 फीट सिरसी रोड बाईपास तक ध्वस्त किए निर्माण**

इस दौरान वैशाली नगर थाने के पुलिस जाप्ते की मौजूदगी में जेडीए टीम ने कच्चे-पक्के अवैध निर्माणों को लोखण्डा, जेसीबी मशीने और मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया।

प्रदेश में पहली बार लागू हुई वर्चुअल नेट मीटरिंग और ग्रुप नेट मीटरिंग की व्यवस्था

जिनके पास स्वयं की छत नहीं, ऐसे उपभोक्ता भी ले सकेंगे सस्ती सौर ऊर्जा का लाभ

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश में वर्चुअल नेट मीटरिंग तथा ग्रुप नेट मीटरिंग की व्यवस्था प्रभावी होने जा रही है। राजस्थान डिस्कॉम्स ने राजस्थान विद्युत नियामक आयोग के समक्ष राज्य में वर्चुअल नेट मीटरिंग तथा ग्रुप नेट मीटरिंग की व्यवस्था लागू करने के लिए याचिका प्रस्तुत की थी, जिस पर बीते दिनों नियामक आयोग ने ग्रिड इंटरएक्टिव डिस्ट्रिब्यूटेड रिन्यूबल एनर्जी जनरेटिंग सिस्टम्स तृतीय संशोधन विनियम-2025 अधिसूचित किए थे। डिस्कॉम्स ने मंगलवार को इसकी क्रियान्विति के दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

इसके माध्यम से प्रदेश में वर्चुअल नेट मीटरिंग तथा ग्रुप नेट मीटरिंग की व्यवस्था को पहली बार लागू किया गया है। इसका सर्वाधिक लाभ प्रदेश के मल्टी स्टोरी तथा अपार्टमेंट में रह रहे लोगों, गांव-ढाणी में बसे लोगों, सरकारी एवं निजी कार्यालयों, लघु एवं मध्यम उद्योगों तथा एक मेगावाट क्षमता तक विद्युत भार वाले वृहद उद्योगों एवं ऐसे अन्य उपभोक्ताओं को होगा, जिनके पास स्वयं की छत उपलब्ध नहीं है। ऐसे उपभोक्ता भी अब वर्चुअल नेट मीटरिंग तथा ग्रुप नेटरिंग मीटरिंग व्यवस्था लागू होने के बाद अब सौर ऊर्जा से जुड़ पाएंगे। छत की उपलब्धता नहीं होने के कारण वे अब तक व्यक्तिगत सोलर नहीं लगा पाते थे।

- **बिजली बिल में होगी बचत, डिस्कॉम्स ने क्रियान्विति के निर्देश किए जारी**

डिस्कॉम्स ने इन विनियमों के माध्यम से तकनीकी स्वीकृति की प्रक्रिया को आसान बनाया है। इसके अन्तर्गत 10 किलोवाट तक की घरेलू सोलर परियोजनाओं को बिना तकनीकी अध्ययन के स्वीकृत माना जाएगा। वहीं इससे अधिक विद्युत भार वाली सोलर परियोजनाओं के लिए तकनीकी अध्ययन की समय सीमा मौजूदा उपभोक्ताओं के लिए 15 दिन और नए कनेक्शनों के लिए 30 दिन रखी गई है। यह सोलर संयंत्र रूफ टॉप अब बालकनी एवं अन्य स्थान पर उपलब्ध भूमि, सार्वजनिक भूमि, जलाशयों आदि स्थानों पर लगाए जा सकेंगे। इसके माध्यम से घरेलू उपभोक्ताओं को व्हीलिंग चार्ज, बैंकिंग चार्ज और क्रॉस सब्सिडी सरचार्ज से पूरी छूट दी गई है।

ज्ञात रहे कि वर्चुअल नेट मीटरिंग ऐसी व्यवस्था है जिसमें एक स्थान पर स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्र से उत्पन्न होने वाली बिजली को उसी डिस्कॉम क्षेत्र में आने वाले कई उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में समायोजित किया जाता है। उदाहरण के लिए,किसी अपार्टमेंट, कॉलोनी या संस्थान के पास स्वयं की छत नहीं है अथवा सीमित स्थान है तो वे किसी अन्य स्थान पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर वहां से उत्पन्न बिजली का लाभ अपने.अपने मीटरों में प्राप्त कर सकते हैं।

इसी प्रकार ग्रुप नेट मीटरिंग ऐसी व्यवस्था है जिसमें एक उपभोक्ता एक स्थान पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाता है तो उससे उत्पन्न बिजली को उसी डिस्कॉम क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले उसके अन्य कनेक्शनों में समायोजित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि किसी उपभोक्ता के पास घर, दुकान, ऑफिस अथवा अन्य कोई संस्थान है तो वह एक स्थान पर सोलर संयंत्र लगाकर वहां से उत्पन्न बिजली का उपभोग अपने अन्य स्थानों के विद्युत कनेक्शन पर भी कर सकता है। इसका सर्वाधिक लाभ ऐसे उपभोक्ताओं को होगा, जिनके कई संस्थान हैं और वहां उनके अलग-अलग बिजली कनेक्शन हैं। जैसे- स्कूल, अस्पताल, चैरिटेबल संस्थान आदि। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को सभी तरह के शुल्कों से पूरी तरह छूट मिलेगी। घरेलू के अलावा अन्य उपभोक्ताओं को भी कई शुल्कों से राहत मिलेगी। विशेषकर रेस्को मॉडल में अधिभार सामान्य ओपन एक्सेस दरों के 50 प्रतिशत पर होगा। बैटरी एनर्जी स्टोरेज से जुडी परियोजनाओं पर भी अतिरिक्त प्रोत्साहन मिलेगा।

बीज विधेयक-2025 किसान हितों की रक्षा में ऐतिहासिक कदम : डॉ. किरोडीलाल मीणा

जयपुर (कासं)। भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित बीज विधेयक 2025 पर मंगलवार को पंत कृषि भवन में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल की अध्यक्षता में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक हुई। बैठक में बीज विधेयक 2025 के विभिन्न प्रावधानों, उनके व्यावहारिक प्रभाव तथा किसानों को होने वाले प्रत्यक्ष लाभों पर विस्तार से चर्चा की गई।

डॉ. किरोडीलाल ने कहा कि यह विधेयक किसानों के अधिकारों की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता तथा कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता लाने वाला एक दूरदर्शी कानून सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों के साथ खड़ी है और बीज विधेयक 2025 से खेती में सुधार और प्रदेश की पैदावार में आशातीत वृद्धि होगी। जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और हमारा कृषक आत्म निर्भर बन सकेगा।

- **डॉ. किरोडीलाल ने कहा कि भारत सरकार द्वारा प्रस्तावित यह विधेयक किसान अधिकारों की सुरक्षा, गुणवत्तापूर्ण बीज की उपलब्धता तथा कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता लाने वाला एक दूरदर्शी कानून सिद्ध होगा।**

उल्लेखनीय है कि कृषि मंत्री किरोडीलाल मीणा ने इस वर्ष कृषि उर्वरक, बीज व पैस्टिसाइड बनाने वाले विनिर्माताओं एवं विक्रेताओं की जाँच की थी, जिसमें काफी अनियमितताएं पाई गई। उन्होंने किसानों को आ रही परेशानियों को भी धरातल पर जाकर सुना और समझा। जिससे डॉ. किरोडीलाल ने सबसे पहले केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री को सीड बील में बदलाव करने के लिए पत्र लिखकर बीज में मिलावट करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने के लिए सुझाव दिया और केंद्र सरकार द्वारा इनकी बात मानते हुए सीड बिल 2025 लाया गया। अब जल्द ही उर्वरक व पेस्टिसाइड बिल भी लाये जा रहे है। बैठक में सवाई माधोपुर में 18 व 19 जनवरी को आयोजित किये जा रहे अमरूद महोत्सव एवं उन्नत कृषि तकनीकी मेले की भी समीक्षा की गई। मंत्री किरोड़ीलाल ने इस अमरूद महोत्सव की विस्तार से जानकारी ली और उन्होंने अधिकारियों को महोत्सव में आने वाले किसानों के ठहरने, खाने-पीने एवं ट्रांसपोर्ट की उत्तम व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

मंत्री किरोड़ीलाल ने बीज विधेयक 2025 की समीक्षा बैठक में कृषि विभाग की सफलता की कहानियां और पुस्तिकाओं का विमोचन किया।

उन्होंने कहा कि अमरूद सवाई माधोपुर के पंच गौरवों में शामिल है। अमरूद महोत्सव का उद्देश्य अमरूद को न केवल फल नहीं बल्कि जिला गौरव, आजीविका एवं उद्यिमता का प्रतीक बनाना है। सवाई माधोपुर जिले में वर्तमान में 15 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में 20 हजार से अधिक किसानों द्वारा अमरूद की व्यावसायिक खेती की जा रही है।

इस दौरान कृषि मंत्री ने ''समन्वित कृषि प्रणाली से समृद्ध किसानों की सफलता की कहानियां एवं जैविक खेती से समृद्ध कृषकों की सफलता'' की कहानियां पुस्तिकाओं का भी विमोचन किया।

बैठक में प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल, आयुक्त कृषि चिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी शुभम चौधरी, निदेशक राजस्थान राज्य जैविक बीज प्रमाणिकरण संस्था के.सी.मीणा, अतिरिक्त निदेशक कृषि (आदान) गोपाल लाल, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) एस.एस.शेखावत सहित विभागीय अधिकारी एवं सवाई माधोपुर से कृषि एवं उद्यानिकी अधिकारी उपस्थित रहे।